रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

सत्र: 2023-2024

एम.ए: सेमेस्टर प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

(पूर्व नाम जबलपुर विश्वविद्यालय, जबलपुर)

एम.ए. प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर हेतु

BoS : 2022-23

संगीत

(हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत (गायन))

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

नोट – संगीत स्नातकोत्तर में प्रवेश हेतु विद्यार्थी को बी.ए. या उसके समकक्ष परीक्षा में संगीत विषय होना अनिवार्य है।

1. सिर्फ नियमित विद्यार्थियों को सेमेस्टर परीक्षा की पात्रता होगी।
2. इस विषय में दो प्रायोगिक एवं दो सैद्धांतिक प्रश्नपत्र होंगे। सैद्धांतिक प्रश्नपत्र तीन घंटे का तथा प्रत्येक विद्यार्थी के लिए प्रायोगिक परीक्षा का न्यूनतम समय 30 मिनिट का होगा।
3. सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक दोनों में अलग–अलग उत्तीर्ण होना आवश्यक है।
4. विद्यार्थियों के लिए सतत व्यापक मूल्यांकन परीक्षा अनिवार्य है।

   ('सतत् व्यापक मूल्यांकन' की नियमावली व समस्त जानकारी उच्च शिक्षा विभाग मध्य–प्रदेश के वेबसाइट में उपलब्ध है।)

अंकों का विभाजन

		कुल अंक	उत्तीर्ण अंक	
	सैद्धांतिक प्रश्नपत्र	50	17	
1.	सामान्य एवं व्यवहारिक संगीत General & Applied Music Theory			सी.सी.ई. 10
2.	भारतीय संगीत का इतिहास History of Indian Music			सी.सी.ई. 10 मुख्य परीक्षा 40
	प्रायोगिक प्रश्नत्र	**कुल अंक**	**उत्तीर्ण अंक**	
1.	प्रथम प्रायोगिक (वायवा)	50	17	
2.	द्वितीय प्रायोगिक (महफिल)	50	17	

Signature of Board of Studies Members with name and date

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

(पूर्व नाम जबलपुर विश्वविद्यालय, जबलपुर)

Semester wise Syllabus for Post Graduate Classes
(Approved by the Board of Studies)
Session : 2021-2022 BoS : 2022-23

कक्षा	:	एम.ए. I "सेमेस्टर
विषय	:	संगीत (गायन)
विषय समूह का शीर्षक	:	सामान्य एवं व्यवहारिक संगीत शास्त्र
प्रश्नपत्र क्रमांक	:	प्रथम
मुख्य परीक्षा	:	40
सी.सी.ई.	:	10
पूर्णांक	:	50

पाठ्यक्रम अध्ययन का उद्गम / परिणाम

Outcome : 1. पाठ्यक्रम के द्वारा विद्यार्थी को हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत पद्धति का परिचय करवाना।
2. संगीत संबंधित व्यवहारिक शब्दों का विस्तृत अध्ययन करवाना।

विवरण

इकाई–प्रथम

1. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों का विस्तृत अध्ययन।
2. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में मुक्तालाप और ताने लिखना।

इकाई–द्वितीय

1. रागांग पद्धति की विस्तृत जानकारी एवं निम्नलिखित रागांगों का अध्ययन– कान्हडा अंग, सारंग अंग, मल्हार अंग

इकाई–तृतीय

1. संगीत की उत्पत्ति के संबंधमें विभिन्न ग्रथकारों के मत।

Signature of Board of Studies Members
with name and date

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

(पूर्व नाम जबलपुर विश्वविद्यालय, जबलपुर)

इकाई–चतुर्थ

1. (अ) कला की परिभाषा
(ब) कला के प्रकार एवं कलात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम
स) सौन्दर्य बोध एवं सौन्दर्य बोध का आधार

2. ललित कलाओं में संगीत का स्थान

इकाई–पंचम

अ–ध्वनि

1. ध्वनि की उत्पत्ति, ध्वनि प्रसार के माध्यम

ब– नाद

2 नाद के प्रकार (आहत एवं अनाहत नाद), नाद के तीन गुण (तीव्रता तारता, रूप या प्रकृति) के वर्णन एवं संगीत में इनकी उपयोगिता।

स– कम्पन

3 अनुदैर्घ्य एवं अनुप्रस्थ कम्पन, कम्पन काल, कम्पन का आयाम।

सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक हेतु निर्धारित राग

1.	देवगिरी बिलावल	2.	मारू बिहाग
3.	नायकी कान्हड़ा	4.	रागेश्री
5.	मध्यमाद सारंग	6.	शुद्ध सारंग
7.	सूहा कान्हड़ा	8.	हंसध्वनि
9.	सूर मल्हार	10.	नन्द
11.	मांड़	12.	चन्द्रकौंस

Note : The Question paper will be divided into 3 Sections A, B and C as follows :
Section A will contain 05 objective type questions, each question of 01 Mark.
Section B will contain 05 short answer type questions with internal choice, each question of 02 Marks.
Section C will contain 05 long answer type questions with internal choice, each questions of 05 Marks.

Signature of Board of Studies Members with name and date

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

Semester wise Syllabus for Post Graduate Classes
(Approved by the Board of Studies)
Session : 2021-2022 BoS : 2022-23

कक्षा	:	एम.ए. 1 सेमेस्टर
विषय	:	संगीत (गायन)
विषय समूह का शीर्षक	:	भारतीय संगीत का इतिहास
प्रश्नपत्र क्रमांक	:	द्वितीय
मुख्य परीक्षा	:	40
सी.सी.ई.	:	10
पूर्णांक	:	50

पाठ्यक्रम अध्ययन का उद्गम / परिणाम

Qutcome : 1. भारतीय संगीत के इतिहास की जानकारी देना।
2. महिला संगीतज्ञों के महत्व को बतलाना।

इकाई–प्रथम

1. वैदिक संगीत – आर्चिक, गाथिक, सामिक इत्यादि।
2. रामायण, महाभारत एवं पौराणिक कालीन संगीत का इतिहास।

इकाई–द्वितीय

1. भरत कालीन संगीत –
(अ) श्रुति, ग्राम, मूर्च्छना
(ब) जाति गायन, शुद्ध–विकृत जाति।

इकाई–तृतीय

1. (अ) संगीत में खंड मेरु का प्रयोग, खण्ड, मेरु, प्रस्तार
(ब) तान एवं लोडों में प्रस्तार का प्रयोग
(स) नष्टोद्दिष्ट का अध्ययन।

Signature of Board of Studies Members with name and date

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

(पूर्व नाम जबलपुर विश्वविद्यालय, जबलपुर)

इकाई–चतुर्थ

1. गुप्त, बौद्ध एवं मौर्य कालीन संगीत का इतिहास।
   1. गुप्तकालीन संगीत का इतिहास
   2. बौद्धकाल में संगीत की स्थिति
   3. मौर्यकालीन संगीत

इकाई–पंचम

1. 20 वीं एवं 21वीं शताब्दी के महिला संगीतकारों का योगदान जैसे– हीराबाई बडोदकर, गिरिजा देवी, इन. राजम, अन्नपूर्णा देवी, एम.एस. सुब्बालक्ष्मी।

Note : The Question paper will be divided into 3 Sections A, B and C as follows :
Section A will contain 05 objective type questions, each question of 01 Mark.
Section B will contain 05 short answer type questions with internal choice, each question of 02 Marks.
Section C will contain 05 long answer type questions with internal choice, each questions of 05 Marks.

Signature of Board of Studies Members with name and date

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

(पूर्व नाम जबलपुर विश्वविद्यालय, जबलपुर)

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर

संगीत (गायन)

प्रथम प्रायोगिक (मौखिक)

BoS : 2022-23

पूर्णांक–50

विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम में निर्धारित बारह रागों का अध्ययन करना है। पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से किन्हीं चार रागों में बड़ा ख्याल एवं सभी रागों में छोटा ख्याल गायकी सहित तैयार करना। एक ध्रुपद, एक धमार, दो तराने एक ठुमरी उपज सहित तैयार करना।

पाठ्यक्रम में निर्धारित राग –

1.	देवगिरी बिलावल	2.	मारु बिहाग	3.	नायकी कान्हड़ा
4.	रागेश्री	5.	मध्यमाद सारंग	6.	शुद्ध सारंग
7.	सूहा–कान्हड़ा	8.	हंसध्वनि	9.	सुर–मल्हार
10.	नन्द	11.	मांड	12.	चन्द्रकौंस

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर

संगीत (गायन)

द्वितीय प्रायोगिक (महफिल)

पूर्णांक–50

1. विद्यार्थियों को द्वितीय प्रायोगिक (महफिल) हेतु पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से अपनी पसंद का कोई एक राग कम से कम 30 मिनिट तक संपूर्ण गायकी सहित आमंत्रित श्रोताओं के समक्ष प्रस्तुत करना।
2. परीक्षक द्वारा पूछे गए 5 रागों में से एक राग प्रस्तुत करना।
3. ठुमरी, दादरा, भजन एवं देशभक्ति गीत आदि प्रस्तुत करना।
4. विद्यार्थियों द्वारा स्थानीय अथवा बाह्य संगीत सम्मेलनों में सम्मिलित होना एवं व्यक्तिगत समीक्षा करना, विषयान्तर्गत शैक्षणिक यात्रा।

Signature of Board of Studies Members
with name and date

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर
संगीत (गायन) हेतु
प्रस्तावित पाठ्यक्रम 2021–22

BoS : 2022-23

संगीत विषय एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर का पाठ्यक्रम

नोट– (1) एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर संगीत हेतु दो सैद्धांतिक एवं दो प्रायोगिक परीक्षाएँ होगी।
(2) अंकों का विभाजन निम्नानुसार है–

सैद्धांतिक प्रश्न–पत्र

1.	प्रथम प्रश्न–पत्र	सामान्य एवं व्यवहारिक संगीत शास्त्र (सी.सी.ई. 10+40 मुख्य)	50 अंक
2.	द्वितीय प्रश्न–पत्र	भारतीय संगीत का इतिहास (सी.सी.ई. 10+40 मुख्य)	50 अंक

प्रायोगिक प्रश्न–पत्र

1.	प्रथम प्रायोगिक परीक्षा मौखिक	50 अंक
2.	द्वितीय प्रायोगिक परीक्षा महफिल	50 अंक

नोट – 1. प्रत्येक प्रश्न–पत्र का पाठ्यक्रम पाँच इकाईयों में बाँटा गया है।
2. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न दिए जाएगें। विद्यार्थियों को प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न करना अनिवार्य है।

Signature of Board of Studies Members
with name and date

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

Semester wise Syllabus for Post Graduate Classes
(Approved by the Board of Studies)
Session : 2021-2022 BoS : 2022-23

कक्षा	:	एम.ए द्वितीय सेमेस्टर
विषय	:	संगीत (गायन)
विषय समूह का शीर्षक	:	सामान्य एवं व्यवहारिक संगीत शास्त्र
प्रश्नपत्र क्रमांक	:	प्रथम प्रश्न पत्र
मुख्य परीक्षा	:	40
सी.सी.ई.	:	10
पूर्णांक	:	50

पाठ्यक्रम अध्ययन का उद्गम / परिणाम

Outcome : 1. संगीत के व्यवहारिक ज्ञान को समझाना।
2. सांगितीक ग्रंथो का अध्ययन करवाना।

इकाई–प्रथम

1. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों का विस्तृत अध्ययन
2. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में मुक्तालाप और तानें लिखना।

इकाई–द्वितीय

(अ) तरंग –

1. अल्ट्रासोनिक, अनुदैर्घ्य, अनुप्रस्थ प्रगामी तरंग दैर्घ्य, तरंग लंबान का विश्लेषण, थरथराहट या डोल।
2. भरत व शारंगदेव द्वारा स्वरों की स्थापना।

इकाई–तृतीय

1. राग तरंगिणी संगीत पारिजात, हृदय कौतुक, हृदय प्रकाश तथा राग तत्व विबोध में स्वर सप्तक का अध्ययन–
   (अ) राग तरंगिणी में स्वरसप्तक का विकास
   (ब) संगीत पारिजात के स्वर सप्तक का अध्ययन
   (स) हृदय कौतुक एवं हृदय प्रकाश का अध्ययन
   (द) राग तत्व विबोध में स्वरसप्तक का अध्ययन

Signature of Board of Studies Members
with name and date

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

इकाई–चतुर्थ

1. आन्दोलन एवं स्वरांतर और इनका वर्तमान एवं पाश्चात्य स्वर तुलनात्मक अध्ययन
   (अ) आन्दोलन
   (ब) स्वरांतर
   (स) दोनों का वर्तमान एवं पाश्चात्य स्वरों से तुलनात्मक अध्ययन
2. उत्तर भारतीय संगीत एवं कर्नाटक संगीत का तुलनात्मक ... निम्न बिन्दुओं के आधार पर –
   स्वर, ताल, राग एवं गायन शैलियाँ

इकाई–पंचम

1. संगीत सम्बन्धी निबन्ध 600 शब्दों में 1 निम्नलिखित विषयों पर आधारित–
   (1) सामाजिक परिस्थितियाँ
   (2) विभिन्न संगीतकारों के कार्य एवं शोध
   (3) वैज्ञानिक दृष्टिकोण

   सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक हेतु निर्धारित राग

1.	श्याम कल्याण	2.	जोगिया
3.	बसन्त मुखारी	4.	अहीर भैरव
5.	जोगकौंस	6.	विहागड़ा
7.	गुणकी	8.	गारा
9.	झिंझोटी	10.	कलावती
11.	धानी	12.	बरवा

Note : The Question paper will be divided into 3 Sections A, B and C as follows :
Section A will contain 05 objective type questions, each question of 01 Mark.
Section B will contain 05 short answer type questions with internal choice, each question of 02 Marks.
Section C will contain 05 long answer type questions with internal choice, each questions of 05 Marks.

Signature of Board of Studies Members with name and date

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

Semester wise Syllabus for Post Graduate Classes
(Approved by the Board of Studies)
Session : 2021-2022

BoS : 2022-23

कक्षा	:	एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर
विषय	:	संगीत (गायन)
विषय समूह का शीर्षक	:	भारतीय संगीत का इतिहास
प्रश्नपत्र क्रमांक	:	द्वितीय प्रश्न पत्र
मुख्य परीक्षा	:	40
सी.सी.ई.	:	10
पूर्णांक	:	50

पाठ्यक्रम अध्ययन का उद्गम / परिणाम

Outcome : 1. संगीत की प्राचीन पद्धतियों का अध्ययन।
2. मध्यकालीन सांगितिक इतिहास का अध्ययन।

इकाई–प्रथम

प्रश्न–1 जाति से रागों का विकास। इस सन्दर्भ में वृहद्देशी का महत्व।

प्रश्न–2 संगीत मकरंद के अनुसार राग–रागिनी पद्धति की उत्पत्ति।

इकाई–द्वितीय

प्रश्न–1 शास्त्रीय संगीत के प्रसार में उत्तर भारतीय एवं बंगाल के वैष्णव सम्प्रदाय का योगदान। अष्टछाप कवि तथा पारम्परिक देवालयीन संगीत।

(अ) अष्टछाप कवियों के प्रादुर्भाव का इतिहास

(ब) अष्टछाप कवियों की जीवनी

(स) अष्टछाप कवियों का संगीत में योगदान

(द) पारम्परिक देवालयीन संगीत

Signature of Board of Studies Members with name and date

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

(पूर्व नाम जबलपुर विश्वविद्यालय, जबलपुर)

इकाई–तृतीय

प्रश्न–1 12वीं एवं 13वीं शताब्दी (संगीत रत्नाकर का समय) में परिवर्तित संगीत की स्थिति। शुद्ध, विकृत स्वरों का विकास, मार्गी एवं देशी संगीत।

इकाई–चतुर्थ

प्रश्न–1 मुगल कालीन संगीत का इतिहास।

इकाई–पंचम

प्रश्न–1 (अ) राजा मानसिंह तोमर व तानसेन का संगीत में योगदान।
(ब) शास्त्रीय संगीत और लोक संगीत का तुलनात्मक अध्ययन।

Note : The Question paper will be divided into 3 Sections A, B and C as follows:
Section A will contain 05 objective type questions, each question of 01 Mark.
Section B will contain 05 short answer type questions with internal choice, each question of 02 Marks.
Section C will contain 05 long answer type questions with internal choice, each questions of 05 Marks.

Signature of Board of Studies Members with name and date

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

एम.ए. पूर्वार्द्ध – द्वितीय सेमेस्टर

संगीत (गायन) BoS : 2022-2

प्रथम–प्रायोगिक (मौखिक)

पूर्णांक–50

विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम में निर्धारित बारह रागों का अध्ययन करना है। पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से किन्हीं चार रागों में बड़ा ख्याल एवं सभी रागों में छोटा ख्याल गायकी सहित तैयार करना।

एक ध्रुपद, एक धमार, दो तराने एक ठुमरी उपज सहित तैयार करना।

पाठ्यक्रम में निर्धारित राग –

1.	श्याम कल्याण	2.	जोगिया	3.	बसन्त मुखारी
4.	अहीर भैरव	5.	जोगकौंस	6.	विहागड़ा
7.	गुनकली	8.	गारा	9.	झिंझोटी
10.	कलावती	11.	धानी	12.	बरवा

एम.ए. पूर्वार्द्ध – द्वितीय सेमेस्टर

संगीत (गायन)

द्वितीय – प्रायोगिक (महफिल)

पूर्णांक–50

1. विद्यार्थियों को द्वितीय प्रायोगिक (महफिल) हेतु पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से अपनी पसंद का कोई एक राग कम से कम 30 मिनिट तक संपूर्ण गायकी सहित आमंत्रित श्रोताओं के समक्ष प्रस्तुत करना।
2. परीक्षक द्वारा पूछे गए 5 रागों में से एक राग प्रस्तुत करना।
3. ठुमरी, दादरा, भजन एवं देशभक्ति गीत आदि प्रस्तुत करना।
4. विद्यार्थियों द्वारा स्थानीय अथवा बाह्य संगीत सम्मेलनों में सम्मिलित होना एवं व्यक्तिगत समीक्षा करना, विषयान्तर्गत शैक्षणिक यात्रा।

Signature of Board of Studies Members
with name and date

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

संदर्भित पुस्तकें

1.	हिन्दुस्तानी संगीत शास्त्र भाग 1 व 2	भगवत शरण शर्मा
2.	ध्वनि और संगीत	ललित किशोर सिंह
3.	हिन्दुस्तानी म्यूजिक इट्स फिजिक्स एण्ड ऐसथेटिक्स	प्रो. जी.एच. रानडे
4.	भरत का संगीत सिद्धांत	आचार्य बृहस्पति
5.	संगीत पद्धतियों का तुलनात्मक अध्ययन	पं. भातखण्डे
6.	प्रणव भारती	प. ओंकारनाथ ठाकुर
7.	भारतीय सौन्दर्य शास्त्र की भूमिका	डॉ. नगेन्द्र
8.	भारतीय संगीत का इतिहास	उमेश जोशी
9.	भारतीय संगीत का ऐतिहासिक विश्लेषण	स्वतन्त्र शर्मा
10.	घरानेदार गायकी	बामनराव देशपाण्डे
11.	हमारे संगीत रत्न	लक्ष्मी नारायण गर्ग
12.	भारतीय संगीत का इतिहास	भगवत शरण शर्मा
13.	संगीत रत्नाकर	पं. शारंग दये
14.	ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ द लीडिंग म्यूजिक सिस्टम ऑफ 14 टू 18 सेन्चुरी	पं. भातखण्डे
15.	संगीत अष्टछाप	गोकुलानन्द तैलग
16.	भारतीय इतिहास में संगीत	भगवत शरण शर्मा
17.	भारतीय संगीत का इतिहास	पं. शरतचन्द्र परांजपे
18.	पाश्चात्य संगीत शिक्षा	स्वतंत्र शर्मा
19.	पाश्चात्य संगीत शिक्षा	भगवत शरण शर्मा
20.	भारतीय संगीत एक मनोवैज्ञानिक विश्लेषण	स्वतंत्र शर्मा
21.	संगीत बोध	शरतचन्द्र परांजपे
22.	क्रमिक पुस्तक मालिका 5 व 6	पं. भातखण्डे
23.	राग विज्ञान 4, 5, 6, 7	पं. पटवर्धन
24.	अभिनव गीत मंजरी भाग 1, 2	एस.एन. सतनजनकर
25.	अभिनव गीतांजलि भाग 1, 2, 3, 4	पं. समाश्रय झा
26.	राग प्रवीण भाग 1, 2	पं. रामकृष्ण व्यास
27.	संगीतांजली भाग 3, 4, 5	ओंकारनाथ ठाकुर
28.	राग बोध भाग 4, 5, 6	बी.ए बार. देवधर
29.	अप्रकाशित राग भाग--1	जे.डी. पत्की
30.	सारंग के प्रकार	जे.टी. शाह

Signature of Board of Studies Members with name and date

31.	कान्हड़ा के प्रकार	जे.टी. शाह
32.	मल्हार के प्रकार	जे.टी. शाह
33.	भावरंग लहरी	बी.आर. भट्ट
34.	राग दर्शन	माणिक बुवा ठाकुरदास
35.	राग रहस्य – 1, 2, 3, 4	आचार्य बृहस्पति
36.	राग प्रवीण	गणेश प्रसाद शर्मा
37.	भारतीय शास्त्रीय संगीत एवं सौन्दर्य शास्त्र	अनुपम महाजन
38.	साहित्य संगीत और कला	कोमल कोठारी
39.	राग में नाद रूप व ध्वनि पक्ष के आयाम	नीता मिश्रा
40.	ध्वनि विज्ञान	गोकुल बिहारी धर
41.	भारतीय संगीत	सीमा जौहरी
42.	भारतीय संगीत में श्रुति	शर्मा
43.	भारतीय संगीत में निबद्ध	सुभद्रा चौधरी
44.	भारतीय संगीत और संगीतज्ञ	राम लाल माथुर
45.	खुसरो तानसेन और अन्य कलाकार	सुलोचना बृहस्पति
46.	मुसलमान और भारतीय संगीत	आचार्य बृहस्पति

Note : The Question paper will be divided into 3 Sections A, B and C as follows :
Section A will contain 05 objective type questions, each question of 01 Mark.
Section B will contain 05 short answer type questions with internal choice, each question of 02 Marks.
Section C will contain 05 long answer type questions with internal choice, each questions of 05 Marks.

Signature of Board of Studies Members with name and date

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

(पूर्व नाम जबलपुर विश्वविद्यालय, जबलपुर)

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर

संगीत (गायन) हेतु

प्रस्तावित पाठ्यक्रम 2021–22

BoS : 2022-23

संगीत विषय एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर का पाठ्यक्रम

नोट– (1) एम.ए. तृतीय सेमेस्टर संगीत हेतु दो सैद्धांतिक एवं दो प्रायोगिक परीक्षाएँ होगी।

(2) अंकों का विभाजन निम्नानुसार है–

सैद्धांतिक प्रश्न–पत्र

1.	प्रथम प्रश्न–पत्र	एडवांस थ्योरी	50 अंक
2.	द्वितीय प्रश्न–पत्र	भारतीय संगीत का इतिहास	50 अंक

प्रायोगिक प्रश्न–पत्र

1.	प्रथम प्रायोगिक परीक्षा मौखिक	50 अंक
2.	द्वितीय प्रायोगिक परीक्षा महफिल	50 अंक

नोट – 1. प्रत्येक प्रश्न–पत्र का पाठ्यक्रम पाँच इकाईयों में बाँटा गया है।

2. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न दिए जाएगें। विद्यार्थियों को प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न करना अनिवार्य है।

Signature of Board of Studies Members
with name and date

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

Semester wise Syllabus for Post Graduate Classes
(Approved by the Board of Studies)
Session : 2021-2022 BoS : 2022-23

कक्षा	:	एम.ए. उत्तरार्द्ध – तृतीय–सेमेस्टर
विषय	:	संगीत (कंठ)
विषय समूह का शीर्षक	:	एडवांस थ्योरी
प्रश्नपत्र क्रमांक	:	प्रथम प्रश्न पत्र
मुख्य परीक्षा	:	40
सी.सी.ई.	:	10
पूर्णांक	:	50

पाठ्यक्रम अध्ययन का उद्गम / परिणाम

Outcome: भारतीय शास्त्रीय संगीत के विभिन्न प्रायोगिक आयामों के सैद्धांतिक पक्ष का विस्तृत अध्ययन करना।

इकाई–प्रथम

प्रश्न–1 पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों का शास्त्रीय विवरण.

प्रश्न–2 पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में मुक्तालाप और तानें लिखना।

इकाई–द्वितीय

कोई भी दिये गये गीत की पंक्तियों को स्वरलिपिबद्ध करना।

इकाई–तृतीय

विभिन्न प्रकार के लयों की जानकारी – दुगुन, तिगुन, चौगुन, छःगुन इत्यादि। तथा विभिन्न प्रकार के मात्राओं की जानकारी – 1/2, 3/2, 4/3, 5/4 इत्यादि।

Signature of Board of Studies Members with name and date

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

इकाई–चतुर्थ

राग और रस, साहित्य के नौ रस एवं उनके स्थायी एवं संचारी भाव।

इकाई–पंचम

ताल और रस, नायक–नायिका भेद, छंद और ताल।

पाठ्यक्रम में निर्धारित राग –

1.	भूपाल तोड़ी	2.	बैरागी भैरव
3.	विभास	4.	कौंसी कान्हड़ा
5.	शहाना	6.	शुद्ध बिलावल
7.	भटियार	8.	देसी
9.	मधुकौंस	10.	तिलंग
11.	नारायणी	12.	खम्बावती

Note : The Question paper will be divided into 3 Sections A, B and C as follows:
Section A will contain 05 objective type questions, each question of 01 Mark.
Section B will contain 05 short answer type questions with internal choice, each question of 02 Marks.
Section C will contain 05 long answer type questions with internal choice, each questions of 05 Marks.

Signature of Board of Studies Members
with name and date

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

Semester wise Syllabus for Post Graduate Classes
(Approved by the Board of Studies)
Session : 2021-2022 BoS : 2022-2

कक्षा	:	एम.ए. उत्तरार्द्ध – तृतीय–सेमेस्टर
विषय	:	संगीत (कंठ)
विषय समूह का शीर्षक	:	भारतीय संगीत का इतिहास
प्रश्नपत्र क्रमांक	:	द्वितीय प्रश्न पत्र
मुख्य परीक्षा	:	40
सी.सी.ई.	:	10
पूर्णांक	:	50

पाठ्यक्रम अध्ययन का उद्गम / परिणाम

Outcome :
1. मुगलकालीन, संगीत एवं घरानों का अध्ययन।
2. भारतीय संगीत में भारतीय संस्कृति एवं दर्शन के महत्व को समझाना।
3. भारतीय संगीत पर पाश्चात संगीत का प्रभाव।

इकाई–प्रथम

मुगल शासनकाल के अन्तिम दिनों में संगीत की स्थिति। ख्याल पद्धति के प्रचार एवं प्रसार में सदारंग व अदारंग का योगदान।

इकाई–द्वितीय

1. मुगलकाल के पतन के पश्चात संगीत की प्राचीन परम्परा को बनाए रखने में राज दरबारों में रियासतों का महत्व।
2. लखनऊ एवं रामपुर के नवाब तथा ग्वालियर, कोल्हापुर और बड़ौदा के राजाओं द्वारा संगीत को किस प्रकार प्रोत्साहित किया गया।

Signature of Board of Studies Members
with name and date

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

इकाई–तृतीय

भारतीय दर्शन एवं संस्कृति में संगीत का महत्व।

इकाई–चतुर्थ

1. ग्वालियर घराना, जयपुर घराना, किराना घराना, आगरा घराना तथा पटियाला घराना आदि का इतिहास एवं विशेषताएँ।
2. ईरानी एवं पाश्चात्य संगीत का भारतीय संगीत पर प्रभाव।

इकाई–पंचम

आधुनिक कालीन संगीत का इतिहास। जयपुर के महाराजा प्रताप सिंह देव के 'राधा गोविन्द संगीत सार' एवं मोहम्मद रजा के 'नगमाते आसफी' का संगीत में योगदान।

Note : The Question paper will be divided into 3 Sections A, B and C as follows :
Section A will contain 05 objective type questions, each question of 01 Mark.
Section B will contain 05 short answer type questions with internal choice, each question of 02 Marks.
Section C will contain 05 long answer type questions with internal choice, each questions of 05 Marks.

Signature of Board of Studies Members with name and date

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

एम.ए. उत्तरार्द्ध – तृतीय सेमेस्टर

BoS : 2022-23

संगीत (गायन)

प्रथम–प्रायोगिक (मौखिक)

पूर्णांक–50

विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम में निर्धारित बारह रागों का अध्ययन करना है। पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से किन्हीं चार रागों में बड़ा ख्याल एवं सभी रागों में छोटा ख्याल गायकी सहित तैयार करना।

एक ध्रुपद, एक धमार, दो तराने एक ठुमरी उपज सहित तैयार करना।

पाठ्यक्रम में निर्धारित राग –

1.	भूपाल तोड़ी	2.	बैरागी भैरव	3.	विभास
4.	कौसी कान्हड़ा	5.	शहाना	6.	शुद्धबिलावल
7.	भटियार	8.	देसी	9.	मधुकौंस
10.	तिलंग	11.	नारायणी	12.	खम्बावती

एम.ए. उत्तरार्द्ध – तृतीय सेमेस्टर

संगीत (गायन)

द्वितीय – प्रायोगिक (महफिल)

पूर्णांक–50

1. विद्यार्थियों को द्वितीय प्रायोगिक (महफिल) हेतु पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से अपनी पसंद का कोई एक राग कम से कम 30 मिनिट तक संपूर्ण गायकी सहित आमंत्रित श्रोताओं के समक्ष प्रस्तुत करना।
2. परीक्षक द्वारा पूछे गए 5 रागों में से एक राग प्रस्तुत करना।
3. ठुमरी, दादरा, भजन एवं देशभक्ति गीत आदि प्रस्तुत करना।

Signature of Board of Studies Members
with name and date

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

संगीत (गायन) हेतु

प्रस्तावित पाठ्यक्रम 2021–22

BoS : 2022-23

नोट– (1) एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर संगीत हेतु दो सैद्धांतिक एवं दो प्रायोगिक परीक्षाएँ होगी।

(2) अंकों का विभाजन निम्नानुसार है–

सैद्धांतिक प्रश्न–पत्र

1.	प्रथम प्रश्न–पत्र	एडवांस थ्योरी	50 अंक
2.	द्वितीय प्रश्न–पत्र	भारतीय संगीत का इतिहास	50 अंक

प्रायोगिक प्रश्न–पत्र

1.	प्रथम प्रायोगिक परीक्षा मौखिक	50 अंक
2.	द्वितीय प्रायोगिक परीक्षा महफिल	50 अंक
3.	प्रोजेक्ट कार्य	50 अंक

नोट – 1. प्रत्येक प्रश्न–पत्र का पाठ्यक्रम पाँच इकाईयों में बाँटा गया है।

2. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न दिए जाएगें। विद्यार्थियों को प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न करना अनिवार्य है।

Signature of Board of Studies Members
with name and date

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

(पूर्व नाम जबलपुर विश्वविद्यालय, जबलपुर)

Semester wise Syllabus for Post Graduate Classes
(Approved by the Board of Studies)
Session : 2021-2022 BoS : 2022-23

कक्षा	:	एम.ए. उत्तरार्द्ध – चतुर्थ सेमेस्टर
विषय	:	संगीत (कंठ)
विषय समूह का शीर्षक	:	एडवांस थ्यौरी
प्रश्नपत्र क्रमांक	:	प्रथम प्रश्न पत्र
मुख्य परीक्षा	:	40
सी.सी.ई.	:	10
पूर्णांक	:	50

पाठ्यक्रम अध्ययन का उद्गम / परिणाम

Outcome : 1. शास्त्रीय संगीत में संगीत कंठ साधना का अध्ययन।
2. सांगीतिक वाद्यों का प्राचीनकाल से वर्गीकरण का अध्ययन।

इकाई–प्रथम

प्रश्न–1 पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों का शास्त्रीय विवरण।
प्रश्न–2 पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में मुक्तालाप और तानें लिखना।

इकाई–द्वितीय

कंठ और कान की संरचना, कंठ स्वर साधना, कंठ स्वर साधना की परम्परागत विधि, उदरीयकरण श्वास प्रक्रिया का महत्व।

इकाई–तृतीय

हॉरमनी और मेलोडी

Signature of Board of Studies Members
with name and date

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

इकाई–चतुर्थ

भारतीय संगीत के वाद्यों का वर्गीकरण प्राचीन काल से वर्तमान काल तक।

इकाई–पंचम

निम्नलिखित तालों का अध्ययन –
शिखर, मत्ततात, सवारी, रूद्र, गजझंपा।

पाठ्यक्रम में निर्धारित राग –

1. गुजरी तोडी
2. बिलासखानी तोडी
3. जोग
4. पूरिया कल्याण
5. नट भैरव
6. आभोगी कान्हडा
7. गोरख कल्याण
8. सरपरदा
9. देवगांधार
10. जैतश्री
11. मालगुंजी
12. गांधारी

Note: The Question paper will be divided into 3 Sections A, B and C as follows :
Section A will contain 05 objective type questions, each question of 01 Mark.
Section B will contain 05 short answer type questions with internal choice, each question of 02 Marks.
Section C will contain 05 long answer type questions with internal choice, each questions of 05 Marks.

Signature of Board of Studies Members with name and date

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

Semester wise Syllabus for Post Graduate Classes
(Approved by the Board of Studies)
Session : 2021-2022 BoS : 2022-23

कक्षा	:	एम.ए. उत्तरार्द्ध – चतुर्थ सेमेस्टर
विषय	:	संगीत (कंठ)
विषय समूह का शीर्षक	:	भारतीय संगीत का इतिहास
प्रश्नपत्र क्रमांक	:	द्वितीय प्रश्न पत्र
मुख्य परीक्षा	:	40
सी.सी.ई.	:	10
पूर्णांक	:	50

पाठ्यक्रम अध्ययन का उद्गम / परिणाम

Outcome: 1. संगीत के विभूतियों की जानकारी।
2. संगीत नाटक अकादमी एवं आकाशवाणी का योगदान।

इकाई–प्रथम

सर विलियम जोन्स, कॅप्टन.विलर्ड, क्लेमेन्ट, देवल, कृष्णानंद व्यास, एस.एम. टैगोर एवं कृष्णधन बैनर्जी का संगीत में योगदान।

इकाई–द्वितीय

स्वतन्त्रता प्राप्ति के उपरान्त संगीत का विकास एवं संगीत नाटक अकादमी व आकाशवाणी का योगदान

इकाई–तृतीय

बड़े गुलाम अली, अमीर खाँ, कुमार गंधर्व, एवं पं. ओंकारनाथ ठाकुर आदि द्वारा स्थापित नई गायन शैली का अध्ययन।

Signature of Board of Studies Members with name and date

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

(पूर्व नाम जबलपुर विश्वविद्यालय, जबलपुर)

इकाई–चतुर्थ

डॉ सुमति मुटाटकर, गगूबाई हगल, डॉ. प्रभा अत्रे, परवीन सुल्ताना, बेगम अख्तर आदि महिला संगीतकारों द्वारा स्थापित नई गायन शैलियों का अध्ययन।

इकाई–पंचम

1. पं. भातखण्डे, प्रो. जी.एच. रानडे, आचार्य बृहस्पति एवं पं. विष्णु दिगम्बर पलुस्कर द्वारा किये गये शोधकार्यों की जानकारी।
2. संगीत में निबंध

Note : The Question paper will be divided into 3 Sections A, B and C as follows :
Section A will contain 05 objective type questions, each question of 01 Mark.
Section B will contain 05 short answer type questions with internal choice, each question of 02 Marks.
Section C will contain 05 long answer type questions with internal choice, each questions of 05 Marks.

Signature of Board of Studies Members with name and date

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

एम.ए. उत्तरार्द्ध – चतुर्थ सेमेस्टर

संगीत (गायन) BoS : 2022-23

प्रथम–प्रायोगिक (मौखिक)

पूर्णांक–50

विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम में निर्धारित बारह रागों का अध्ययन करना है। पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से किन्हीं चार रागों में बड़ा ख्याल एवं सभी रागों में छोटा ख्याल गायकी सहित तैयार करना।

एक ध्रुपद, एक धमार, दो तराने एक ठुमरी उपज सहित तैयार करना।

पाठ्यक्रम में निर्धारित राग –

1.	गुजरी तोड़ी	2.	विलासखानी तोड़ी	3.	जोग
4.	पूरिया कल्याण	5.	नट भैरव	6.	आभोगी कान्हड़ा
7.	गोरख कल्याण	8.	सरपरदा	9.	देवगांधार
10.	जैतश्री	11.	मालगुंजी	12.	गांधारी

एम.ए. उत्तरार्द्ध – चतुर्थ सेमेस्टर

संगीत (गायन)

द्वितीय – प्रायोगिक (महफिल)

पूर्णांक–50

1. विद्यार्थियों को द्वितीय प्रायोगिक (महफिल) हेतु पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से अपनी पसंद का कोई एक राग कम से कम 30 मिनिट तक संपूर्ण गायकी सहित आमंत्रित श्रोताओं के समक्ष प्रस्तुत करना।
2. परीक्षक द्वारा पूछे गए 5 रागों में से एक राग प्रस्तुत करना।
3. ठुमरी, दादरा, भजन एवं देशभक्ति गीत आदि प्रस्तुत करना।

प्रोजेक्ट कार्य – 50 अंक = आंतरिक मूल्यांकन

50 अंक = मुख्य

100

Signature of Board of Studies Members
with name and date

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

(पूर्व रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर)

संदर्भित पुस्तकें

1.	राग विज्ञान – 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8	श्री बी.एन. पटवर्धन
2.	हिन्दुस्तानी क्रमिक पुस्तक मालिका (1, 2, 3, 4, 5, 6)	पं. बी.एन. भातखण्डे
3.	अभिनव गीतांजलि भाग – 1, 2, 3	पं. रामाश्रय झा
4.	अभिनव गीत मंजरी भाग 1, 2	पं. रातनजनकर
5.	राग प्रवीण 1, 2	पं. रामकृष्णन व्यास
6.	राग बोध (1, 2, 3, 4, 5, 6)	श्री आर. देवधर
7.	अप्रकाशित राग	श्री जे.डी. पत्की
8.	मावरंग लहरी 1, 2	श्री बी.आर. भट्ट
9.	भातखण्डे संगीत शास्त्र (1, 2, 3, 4)	पं. भातखण्डे
10.	पाश्चात्य संगीत शिक्षा	पं. भगवतशरण शर्मा
11.	हिन्दुस्तानी संगीत शास्त्र (1, 2)	पं. भगवतशरण शर्मा
12.	संगीत रत्नाकर	पं. शारंग देव
13.	भारतीय संगीत एक वैज्ञानिक विश्लेषण	डॉ. स्वतंत्र शर्मा
14.	ताल प्रकाश	पं. भगवतशरण शर्मा
15.	नायक–नायिका भेद एवं राग रागिनी वर्गीकरण	श्री प्रदीप कुमार दीक्षित
16.	हिस्ट्रोरिकल डेवलपमेंट ऑफ इंडियन म्यूजिक	स्वामी प्रज्ञानंद
17.	भारतीय संगीत का इतिहास	उमेश जोशी
18.	हमारे संगीत रत्न	लक्ष्मी नारायण गर्ग
19.	भारतीय संगीत का ऐतिहासिक विश्लेषण	स्वतंत्र शर्मा
20.	मध्य युगीन वैष्णव संप्रदाय में संगीत	डॉ. राकेश बाला सक्सेना
21.	मुगल भारत का संगीत चिन्तन (1, 2)	श्री राजेश्वर मिश्र
22.	मध्य युगीन शास्त्रीय संगीत के आधार स्तम्भ 'अष्टसखा'	डॉ. सुलेखा सिन्हा
23.	ग्वालियर की संगीत परम्परा	डॉ. अरूण बांगे
24.	भारतीय संगीत का इतिहास	डॉ ठाकुर जयदेव सिंह
25.	भारतीय संगीत का इतिहास	डॉ. परांजपे
26.	संगीत बोध	डॉ. परांजपे
27.	भरत का संगीत–सिद्धांत	आचार्य बृहस्पति
28.	भातखण्डे स्मृति ग्रंथ	डॉ. चिन्चोरे
29.	संगीतांजलि भाग 5	पं. ओंकारनाथ ठाकुर
30.	संगीतांजलि भाग 5	पं. ओंकारनाथ ठाकुर
31.	घरानो की चर्चा	श्री सुशील कुमार चौबे
32.	रीतिकालीन कवियों में भक्ति तत्व	डॉ. कषा पुरी
33.	वेदों में भारतीय संस्कृति	पं. आद्या दत्त ठाकुर

Signature of Board of Studies Members with name and date

34.	धर्मदर्शन का सर्वेक्षण	प. दुर्गा दत्त पाण्डेय
35.	भारतीय संगीत	श्री गिरीशचन्द्र उप्रेती
36.	अभिनव गीतांजलि भाग पाँच	प. लक्ष्मी नारायण गर्ग
37.	राग विशारद भाग 1, 2	डॉ. मधुरलता भटनागर
38.	भारतीय संगीत का सौन्दर्य विधान	माणिक बुवा ठाकुरदास
39.	राग दर्शन	आचार्य बृहस्पति
40.	राग रहस्य – 1, 2, 3, 4	गणेश प्रसाद शर्मा
41.	राग प्रवीण – 1, 2	अनुपम महाजन
42.	भारतीय शास्त्रीय संगीत एवं सौन्दर्य शास्त्र	कोमल कोठारी
43.	साहित्य संगीत और कला	नीता मिश्रा
44.	राग में नाद रूप व ध्वनि पक्ष के आयाम	गोकुल बिहारी धर
45.	ध्वनि विज्ञान	सीमा जौहरी
46.	भारतीय संगीत	शर्मा
47.	भारतीय संगीत में श्रुति	सुभद्रा चौधरी
48.	भारतीय संगीत में निबद्ध	राम लाल माथुर
49.	भारतीय संगीत और संगीतज्ञ	सुलोचना बृहस्पति
50.	खुसरो, तानसेन और अन्य कलाकार	आचार्य बृहस्पति
51.	मुसलमान और भारतीय संगीत	सुलोचना बृहस्पति
52.	खुसरो, तानसेन और अन्य कलाकार	शुचि स्मिता
53.	आकाशवाणी एवं हिन्दुस्तानी संगीत	आचार्य बृहस्पति
54.	संगीत चिन्तन	मुकुन्द लाट
55.	संगीत एवं चिन्तन	विजय लक्ष्मी जैन
56.	संगीत दर्शन	सुशील कुमार चौबे
57.	हमारा आधुनिक संगीत	हरिशचन्द्र श्रीवास्तव
58.	वाद्य शास्त्र	लालमणि मिश्रा
59.	भारतीय संगीत वाद्य	केशव चन्द्र वर्मा
60.	कोशिश संगीत समझने की	लक्ष्मी नारायण गर्ग
61.	आवाज सुरीली कैसे करें	

Note : The Question paper will be divided into 3 Sections A, B and C as follows :
Section A will contain 05 objective type questions, each question of 01 Mark.
Section B will contain 05 short answer type questions with internal choice, each question of 02 Marks.
Section C will contain 05 long answer type questions with internal choice, each questions of 05 Marks.

Signature of Board of Studies Members with name and date